Seventeenth Loksabha

an>

Title: Need to give compulsory military training to school and college students.

रवि किशन (गोरखपुर) : माननीय अध्यक्ष महोदय, आपका आदेश था, इसलिए मैं कहूँगा कि "दिल दिया है, जाँ भी देंगे ऐ वतन तेरे लिए ।" आज एक ऐतिहासिक दिन है । श्रद्धेय प्रधान मंत्री जी और हमारे होम मिनिस्टर श्री अमित शाह जी को कोटि-कोटि नमन है । आज इस ऐतिहासिक दिन को मुझे बोलने का अवसर दिया, आपके सान्निध्य में और आपके आशीर्वाद से अद्भुत बिल पास हो रहा है, ऐसा लग रहा है जैसे जियरा गद-गदा गईल बा ।

अन-आर्म्ड कॉम्बैट के बारे में मेरे मन में एक विचार था । मेरी भी बेटियाँ हैं । मैं हमेशा सोचता था कि पापा साथ में नहीं हैं, तो हमारी बेटियाँ डिफेंस कैसे करेंगी ।

स्कूल और कॉलेजेज़ में यह कम्पलसरी हो जाए, जैसे चाइना और इज़रायल में है । यह छ: महीने के लिए किया जाए । इसे मिलिट्री ट्रेनिंग कहा जाए । यह हमारे बच्चों के लिए बहुत अच्छा होगा । अगर हमारे बच्चे कहीं विदेश की यात्रा पर होते हुए फंस जाएं तो वे अपना डिफेंस कर सकेंगे, उनके लिए यह हेल्थ-वाइज़ भी अच्छा रहेगा । यदि कभी हमारे देश पर आतंकवादी हमला हुआ या बाहरी हमला हुआ तो हमारे देश के बच्चे भी इससे लड़ने के लिए तैयार रहेंगे, जिससे उनमें एक राष्ट्रहित की भावना जगेगी । वे ड्रग्स, शराब और अन्य गलत चीज़ों से भी दूर रहेंगे । छ: महीने की एक कम्पलसरी ट्रेनिंग हमारे देश में होनी चाहिए । अगर आप हैं तो यह ज़रूर मुमकिन है, मोदी जी हैं तो ज़रूर मुमकिन है । यह हमारे बच्चों के लिए एक बहुत अद्भुत आशीर्वाद होगा । इससे हमारे देश में राष्ट्रहित की भावना जागेगी । …(व्यवधान)

संसदीय कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री तथा भारी उद्योग और लोक उद्यम मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री अर्जुन राम मेघवाल) : रवि किशन जी कहीं से आ रहे थे, जहां कुछ बच्चे फंस गए थे । रवि किशन जी ने उन बच्चों को बचाया । उन्होंने यह बहुत अच्छा काम किया, नहीं तो लोग समझते हैं कि एमपी कुछ करते ही नहीं हैं ।

माननीय अध्यक्ष : रवि किशन जी पूरे समय संसद में रुकते हैं ।

…(व्यवधान)

श्री अर्जुन राम मेघवाल : अध्यक्ष जी, आपको बच्चों वाला केस पता है या नहीं?

श्री रवि किशन : अध्यक्ष महोदय, मैं बताता हूं । मैं यह इसलिए बता रहा हूं, ताकि हमारे देश में यह भावना सब में जागे । मैं द्वारका से आ रहा था, जहां भयंकर बारिश हो रही थी । मैंने देखा कि बच्चों के स्कूल का एक छोटा सा रिक्शा उलट गया था । उसमें तीन-चार साल के छोटे-छोटे बच्चे थे । जैसा कि मुझमें भावना रहती है, मैं तुरंत उतरा और मैंने सारे बच्चों को निकालकर बचाया । यह पूरे देश में बड़ा वायरल हुआ, जिसके लिए पूरे देश ने मुझे बहुत आशीर्वाद दिया ।